

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 232] नई दिल्ली, शुक्रवार, सितम्बर 26, 2014/अश्विन 4, 1936

No. 232] NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 26, 2014/ASVINA 4, 1936

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय वाणिज्य विभाग (पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय) जांच शुरूआत अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 सितम्बर, 2014

(मध्यावधि समीक्षा)

विषय : चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित डिजिटल आफसेट प्रिंटिंग प्लेट्स के आयातों पर अधिरोपित पाटनरोधी शुल्क की मध्यावधि समीक्षा की शुरूआत।

सं.15/27/2013-डीजीएडी: यतः वर्ष 1995 में यथा संशोधित सीमा-शुल्क प्रशुल्क अधिनियम 1975 (जिसे एतद्पश्चात अधिनियम कहा गया है) और समय-समय पर यथोसंशोधित सीमा-शुल्क प्रशुल्क (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतद्पश्चात पाटनरोधी नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे एतद्पश्चात नियमावली कहा गया है) ने दिनांक 03 अक्तूबर, 2012 की अधिसूचना संख्या 14/07/2011-डीजीएडी के तहत चीन जन.गण. (जिसे एतद्पश्चात संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित डिजिटल आफसेट प्रिन्टिंग (जिसे एतद्पश्चात संबद्ध वस्तु कहा गया है) के आयातों पर निर्णायक पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश करते हुए अंतिम जांच परिणाम अधिसूचित किया था।

2. और यत: संबद्ध वस्तु पर दिनांक 03.12.2012 की सीमा-शुल्क अधिसूचना संख्या 51/2012-सीमा-शुल्क (एडीडी) के तहत निर्णायक पाटनरोधी शल्क अधिरोपित किया गया था।

क. समीक्षा के लिए आवेदन

3. यत:, सीमाशुल्क प्रशुल्क (संशोधन) अधिनियम, 1995 और समय-समय पर यथासंशोधित उसके अंतर्गत बनी पाटनरोधी नियमावली में यह अपेक्षा की जाती है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी समय-समय पर स्वयं अपनी पहल पर या किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा अनुरोध किए जाने पर, जिसे इसकी समीक्षा की जरूरत के लिए साक्ष्यांकित सकारात्मक सूचना प्रस्तुत की हो और निर्णायक पाटनरोधी शुल्क अधिरोपित किए जाने से पर्याप्त समयाविध बीत जाने पर, यथा आवश्यक, पाटनरोधी शुल्क के सतत अधिरोपण की जरूरत की समीक्षा करेंगे।

3897GI/2014 (1)

4. और यत:, उपर्युक्त प्रावधानों के अंतर्गत नौएडा आफसेट प्रिंटर्स एसोसिएशन और आंध्र प्रदेश प्रिंटर्स एसोसिएशन (संबद्ध वस्तु की प्रयोक्ता उद्योग की एसोसिएशनों) ने संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु पर अधिरोपित पाटनरोधी शुल्क की मध्याविध समीक्षा करने की जरूरत के लिए साक्ष्यांकित सकारात्मक सूचना प्रदान करते हुए एक आवेदन-पत्र दायर किया है।

ख. समीक्षा के लिए आधार

- 5. आवेदकों ने दावा किया है कि पाटन एवं क्षति दोनों की स्थिति में इतना अधिक परिवर्तन हो गया है कि प्रभावी पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा महसूस होने लगी है। उन्होंने उल्लेख किया कि संबद्ध वस्तु का उत्पादन करने के काम आने वाला आधारभूत कच्चा माल एल्यूमिनियम की कीमतों में, शुल्क का अधिरोपण करने के पश्चात संपूर्ण विश्व में भारी कमी हुई है जिसका उत्पादन लागत पर प्रभाव पड़ा है और इसलिए निर्यातकों के सामान्य मूल्य और घरेलू उद्योग की गैर-क्षतिकारी कीमत के कारण पाटन एवं क्षति की मात्रा एवं सीमा की तथा शुल्क की निरंतरता बनाए रखने अथवा उसमें संशोधन करने की जरूरत की समीक्षा करना अनिवार्य बना दिया है।
- 6. यह भी प्रस्तुत किया गया है कि मूल जांच में जांच की अवधि की तुलना में भारत के रुपए की भारी मूल्यवृद्धि होने के कारण भारत में उत्पादन लागत में भारी वृद्धि हुए बिना भारत में संबद्ध वस्तु के आयातों के उतराई मूल्य में पर्याप्त वृद्धि हुई है। अत: क्षति मार्जिन अब ऋणात्मक हो जाने की संभावना है और इसलिए शुल्क का प्रतिसंहरण करने के लिए समीक्षा की जरूरत है।
- 7. निर्दिष्ट प्राधिकारी की सिफारिश पर मूल जांच में निर्णायक पाटनरोधी शुल्क संदर्भ कीमत के आधार पर अधिरोपित किया गया था और यह भिन्न-भिन्न प्रकार की प्लेटों के लिए 4.87 यूएस डालर से 5.81 यूएस डालर प्रति स्कवेयर मीटर है। याचिकाकर्ता ने यह प्रस्तुत किया है कि यूएस डालर की तुलना में रुपए के मूल्य में वृद्धि होने के कारण संबद्ध वस्तु के उतराई मूल्य में घरेलू उद्योग की गैर-क्षतिकारी कीमत में हुई वृद्धि की तुलना में भारी वृद्धि हुई है जिससे शुल्क का प्रतिसंहरण जरूरी हो गया है।
- 8. याचिकाकर्ताओं ने पुन: यह दावा किया है कि घरेलू उद्योग की स्थिति में पर्याप्त सुधार हो गया है और इस समय संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु का प्रत्यक्ष पाटन नहीं हो रहा है। इसलिए आवेदकों ने संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क के अधिरोपण की निरंतरता बनाए रखने की जरूरत की जांच करने के लिए समीक्षा प्रारंभ करने का अनुरोध किया है क्योंकि अब पाटन एवं क्षति की स्थिति में परिवर्तन आ गया है और घरेलू उद्योग को अब क्षति नहीं हो रही है।

ग. जांच शुरूआत

9. प्रभावी शुल्क की समीक्षा की जरूरत के लिए परिवर्तित परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए आवेदक द्वारा प्रदान कराई गई सकारात्मक सूचना को ध्यान में रखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी अब यह मानते हैं कि दिनांक 03 अक्तूबर, 2012 की संख्या 14/07/2011-डीजीएडी के तहत अधिसूचित अंतिम जांच की मध्याविध समीक्षा और दिनांक 03/12/2012 की अधिसूचना संख्या 51/2012-सीमा-शुल्क (एडीडी) द्वारा अधिरोपित निर्णायक पाटनरोधी शुल्क प्रमुख नियमावली के नियम 23 के साथ पठित सीमा-शुल्क प्रशुल्क (संशोधन) अधिनियम, 1995 की धारा 9क (5) के प्रावधानों के अनुसार बदली हुई परिस्थितियों को देखते हुए उपयुक्त है। इस समीक्षा में दिनांक 03 अक्तूबर, 2012 की अधिसूचना संख्या 14/07/2011-डीजीएडी के सभी पहलू शामिल होंगे।

घ विचाराधीन उत्पाद

- 10. मूल जांच में विचाराधीन उत्पाद को मुद्रण उद्योग में आंकड़ों को कागज पर या गैर-अवशोषक सबस्ट्रेट्स जैसे टीन की शीट या पाली फिल्म आदि पर प्रतिकृति (डाट पैटर्न या टेक्स्ट) के रूप में अंतरित करने के लिए प्रयोग की जाने वाली डिजिटल आफ सेट प्रिन्टिंग प्रेस के रूप में परिभाषित किया गया था। डिजिटल प्लेट्स का प्रयोग करके की जाने वाली मुद्रण प्रक्रिया में डिजिटल वर्कफ्लो किसी प्रतिकृति को कम्प्यूटर से प्लेट (सीटीपी) पर सीधा अंतरित करने के योग्य बनाता है। इसमें लेजर का प्रयोग किया जाता है इसमें एनालाग वर्कफ्लो की तरह इमेज को अंतरित करने के लिए किसी मध्यवर्ती की आवश्यकता नहीं पड़ती है। इन डिजिटल प्लेटों को रासायनिक कोटिंग करके उच्च ग्रेड की शुद्धता युक्त लिथो ग्रेड एल्युमिनियम से बनाया जाता है। यह डिजिटल प्लेटें सकारात्मक (मान एक्सपोज्ड एरिया इमेज बनाता है) या नकारात्मक (एक्सपोज्ड एरिया इमेज बनाता है) वर्किंग प्लेट्स होती है। कोटिंग संघटक, जिन्हें सेंसिटाइजर्स के रूप में भी जाना जाता है, प्लेटों के टाइप के आधार पर अलग-अलग होते हैं।
- 11. इन डिजिटल प्लेट्स को मोटे तौर पर तीन श्रेणियों अर्थात थर्मल, वायलेट और सीटीपीसी/यूवी-सीटीपी (कम्प्यूटर से परम्परागत प्लेट्स) उनके अनुप्रयोग के आधार पर, में वर्गीकृत किया जाता है। वह डिजिटल प्लेटें जिन्हें इन्फ्रारेड एनर्जी का प्रयोग करके एक्सपोज किया जाता है, थर्मल प्लेट्स कहा जाता है। जिन डिजिटल प्लेटों को दृष्टिगोचर और लगभग दृष्टिगोचर प्रकाश ऊर्जा (वायलेट लेजर्स) का प्रयोग करके एक्सपोज किया जाता है, उन्हें वायलेट प्लेट्स कहा जाता है। कितपय डिजिटल प्लेटें जिन्हें एक्सपोजर के लिए अल्ट्रा वायलेट रेज का प्रयोग करके एक्सपोज किया जाता है उन्हें सीटीसीपी/यूवी-सीटीपी के रूप में जाना जाता है। कुछ विनिर्माताओं द्वारा विनिर्मित "वीपी प्लेट्स" और "वीपीएसए प्लेट्स" को प्राधिकारी द्वारा शुरू की गई मूल जांच के अंतिम जांच परिणाम में विचाराधीन उत्पाद के दायरे से हटा दिया गया था।
- 12. चूंकि यह समीक्षा जांच की है इसलिए विचाराधीन उत्पाद वही रहेगा जो अंतिम जांच परिणाम में यथासंशोधित मूल जांच में था। ऊपर यथापरिभाषित, सभी प्रकार की डिजिटल प्लेटें, सभी आयाम में, विचाराधीन उत्पाद के दायरे के अंदर शामिल होगी।

13. यह संबद्ध वस्तु सीमाशुल्क प्रशुल्क की प्रशुल्क मद संख्या 8442.5020 के अंतर्गत आती है। तथापि इस संबद्ध वस्तु का 3701.3000, 3704.0080, 3705.1000, 7606.9191 और 7606.9290 जैसे अन्य शीर्षों के अंतर्गत भी आयात किया गया है। यह समीक्षा शुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और यह वर्तमान सीमक्षा के दायरे पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है।

ड. अंतर्ग्रस्त देश

14. वर्तमान जांच में अंतर्ग्रस्त देश चीन जन गण. है।

च. जांच की अवधि

15. वर्तमान समीक्षा के प्रयोजनार्थ जांच की अवधि 1 अप्रैल, 2013 से 31 मार्च, 2014 (12 माह) है। तथापि, क्षति विश्लेषण में वर्ष 2010-11, 2011-12, 2012-13, 2013-14 (जांच की अवधि) शामिल होगा। इस जांच में पाटन एवं क्षति दोनों शामिल होंगे।

छ. सूचना का प्रस्तुतिकरण एवं प्रक्रिया

16. विचाराधीन उत्पाद के संबद्ध देश के निर्यातक, भारत में राजदूतावास के जरिए उनकी सरकारों को और भारत में ज्ञात प्रयोक्ताओं तथा घरेलू उद्योग को निर्धारित स्वरूप और देश में संगत सूचना प्रस्तुत करने और अपने विचारों को निम्नलिखित पते पर भेजने के लिए अलग से लिखा जा रहा है :

निर्दिष्ट प्राधिकारी, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, वाणिज्य विभाग, पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय (डीजीएडी), कमरा नम्बर 15, चौथा तल, जीवन तारा बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली -110001 फोन :# +91-11-2334 9454; फैक्स # +91-11 2334 9436

ई-मेल ssdas@nic.in

17. कोई अन्य हितबद्ध पक्षकार भी नीचे निर्धारित समय सीमा के अंदर विहित स्वरूप और ढंग से जांच से संगत प्रस्तुतिकरण कर सकता है। समस्त सूचना एक साफ्ट प्रति सहित भौतिक प्ररूप में प्रस्तुत की जाएगी।

ज. समय-सीमा

18. वर्तमान समीक्षा से संबंधित कोई सूचना और सुनवाई के लिए कोई अनुरोध लिखित रूप में भेजा जाना चाहिए ताकि यह प्राधिकारी के पास इस समीक्षा अधिसूचना के पत्र की तारीख से चालीस दिनों (40 दिनों) से अनधिक समय के अंदर उपर्युक्त पते पर प्राधिकारी के पास पहुंच जाए। यदि निर्धारित समय-सीमा के अंदर सूचना प्राप्त नहीं होती है या प्राप्त सूचना अधूरी है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी नियमावली के अनुसार रिकार्ड में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच-परिणाम दर्ज कर सकते हैं।

झ. अगोपनीय आधार पर सूचना प्रस्तुत करना

19. नियमावली के नियम 6(7) के अनुसार हितबद्ध पक्षकारों को प्राधिकारी को प्रदान कराई गई किसी गोपनीय सूचना का अगोपनीय सार प्रस्तुत करना अपेक्षित होगा और यदि इस तरह की सूचना प्रदान कराने वाले पक्षकार की नजर में इस सूचना को सारांश रूप में प्रस्तुत नहीं किया जा सकता है तो उसके कारणों का विवरण प्रदान करना अपेक्षित होगा। यदि कोई हितबद्ध किसी सूचना तक पहुंच की मनाही करता है या आवश्यक सूचना तर्क संगत अविध के अंदर प्रदान नहीं करता है या जांच में पर्याप्त अवरोध उत्पन्न करता है तो प्राधिकारी उपलब्ध रिकार्डों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं और केंद्रीय सरकार को ऐसी सिफारिशें कर सकते हैं जिन्हें वे आवश्यक माने।

ञ. सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण

20. नियम 6(7) में उल्लिखित शर्तों के अनुसार कोई हितबद्ध पक्षकार अन्य हितबद्ध पक्षकार द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय पाठ युक्त सार्वजिनक फाइल का निरीक्षण कर सकता है। यदि कोई हितबद्ध पक्षकार सूचना तक पहुंच की मनाही करता है या अन्यथा तर्कसंगत अविध के अंदर आवश्यक सूचना प्रदान नहीं करता है अथवा जांच में भारी व्यवधान उत्पन्न करता है तो प्राधिकारी उन्हें उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं और केंद्रीय सरकार से ऐसी सिफारिशें कर सकते हैं जिन्हें वे उपयुक्त समझें।

जे. के. दादू, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI DUMPING AND ALLIED DUTIES)

INITIATION NOTIFICATION

New Delhi, the 26th September 2014

(Mid-term Review)

Subject: Initiation of Mid-term Review of anti-dumping duty imposed on imports of Digital Offset Printing Plates originating in or exported from China PR.

No. 15/27/2013-DGAD.— Whereas having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Duty or Additional Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended (herein after referred to as AD Rules), *vide* Notification Number 14/07/2011-DGAD dated 3rd October, 2012, the Designated Authority (herein after referred to as the Authority) notified its final findings recommending definitive anti-dumping duty on import of Digital Offset Printing Plates (hereinafter referred to as subject goods) originating in or exported from China PR (hereinafter referred to as subject country).

2. And whereas definitive anti-dumping duty was imposed on the subject goods *vide* Customs Notification No. 51/2012- Customs (ADD) dated 03.12.2012.

A. Application for Review

- 3. Whereas, the Customs Tariff (Amendment) Act 1995 and the AD Rules made there under, as amended from time to time, require the Designated Authority to review, from time to time, the need for continued imposition of anti-dumping duty where warranted, on its own initiative or upon request by any interested party who submits positive information substantiating the need for such review, and a reasonable period of time has elapsed since the imposition of the definitive anti-dumping duty.
- 4. And whereas, NOIDA Offset Printers' Association & Andhra Pradesh Printers' Association (associations of the user industries of the subject goods), have filed an application under the above provisions providing positive information substantiating the need for a mid-term review of the anti-dumping duty imposed on the subject goods originating in or exported from subject country.

B. Grounds for Review

- 5. The applicants claim that the conditions of both dumping and injury have changed substantially requiring a review of the anti-dumping measure in force. They have stated that the prices of Aluminum, which is basic raw material for manufacturing of the subject goods, have substantially decreased in the global market after imposition of duty, impacting the cost of production and therefore, the normal values of the exporters and the non-injurious price of the domestic industry necessitating a review of the degree and extent of dumping and injury and need for continuation or modification of the duty.
- 6. It has also been submitted that due to significant appreciation of Indian Rupees, compared to the period of investigation in the original investigation, the landed price of imports of the subject goods in India has substantially increased without substantial increase in cost of production in India. Therefore, there is a likelihood that the injury margin is now negative, and therefore, necessitating a review for revocation of duty.
- 7. Definitive duties were imposed as per the recommendation of the Designated Authority in the original investigation on reference price basis and are in the range of US\$ 4.87 to US\$ 5.81 per square meters for different types of plates. The petitioners have submitted that due to appreciation of rupee *vis-a-vis* US Dollar, the landed price of the subject goods has substantially increased much above the current non-injurious price of the domestic industry necessitating revocation of the duty.
- 8. The applicants have further claimed that the condition of the domestic industry has improved substantially and there is no apparent dumping of the subject goods from the subject country. Therefore, the applicants have requested for initiating a review to examine the need for continued imposition of anti-dumping duty on the subject goods originating in or exported from subject country, as the conditions of dumping and injury has changed and the domestic industry is not suffering any injury.

C. Initiation

9. Having regard to the positive information provided by the applicants indicating changed circumstances necessitating a review of the measure in force, the Designated Authority now considers that a mid-term review of the final findings notified *vide* No. 14/07/2011-DGAD dated 3rd October, 2012 and the Definitive anti dumping duty imposed by Notification 51/2012- Customs (ADD) dated 03.12.2012 is appropriate in view of the changed circumstances, in terms of the provision of

Section 9A (5) of Customs Tariff (Amendment) Act 1995 read with Rule 23 supra. The review shall cover all aspects of Notification No. 14/07/2011-DGAD dated 3rd October, 2012.

D. Product under Consideration

- 10. The product under consideration, in the original investigation, was defined as Digital Offset Printing Plates, used in the printing industry for transferring data as an image (dot patterns or text) onto paper or on non-absorbent substrates like tin sheets or poly films etc. In the printing process using digital plates, the digital workflow enables direct transfer of image from a 'computer to the plate' (CtP) using lasers unlike the analogue workflow that requires an intermediary film to transfer the image. Digital plates are made from high-purity litho-grade aluminium coils coated with a chemical coating. Digital plates may be either positive (non-exposed area forms image) or negative (exposed area forms image) working plates. The coating components, also known as 'sensitizers' vary for different types of plates.
- 11. Digital plates are broadly classified into three categories namely; Thermal, Violet and CTcP/UV-CtP ('Computer-to-Conventional Plate'), based on their application. Digital plates that are exposed using infra-red energy are called Thermal plates. Digital plates that are exposed using visible and near-visible light energy (violet lasers) are called violet plates. Certain Digital plates that are exposed using ultra violet rays for exposure, known as CTcP/UV-CtP. "VP plates" and "VPSA plates, manufactured by certain manufacturers, were excluded from the scope of the product under consideration in the final findings of the Authority in the original investigation.
- 12. This being a review investigation the product under consideration shall continue to be same as in original investigation as modified in the final findings. All types of digital plates as defined above, in all dimensions, will be covered within the scope of the product under consideration.
- 13. The subject goods fall under Tariff Item No. 8442.5020 of the Customs Tariff. However, there have been imports of the subject goods under other headings such as 3701.3000, 3704.0090, 3705.1000, 7606.9191 and 7606.9290 as well. Customs classifications are indicative only and in no way binding on the scope of the present review investigation.

E. Country Involved

14. The country involved in the present investigations is China PR.

F. Period of Investigation

15. The period of investigation for the purpose of the present review is 1st April, 2013 to 31st March, 2014 (12 months). However, injury analysis shall cover the years 2010-11, 2011-12, 2012-13, 2013-14 (POI). The investigation will cover both dumping and injury.

G. Procedure and Submission of Information

16. The exporters in subject country, their government through their Embassy in India, the importers and users in India known to be concerned with the product under consideration and the domestic industry are being addressed separately to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the:

The Designated Authority,
Ministry of Commerce & Industry,
Department of Commerce,
Directorate General of Anti-Dumping & Allied Duties, (DGAD),
Room No. 15, 4th Floor, Jeevan Tara Building,
Parliament Street, New Delhi-110001
Phone # +91-11-23349454; Fax# +91-11-23349436
Email: ssdas@nic.in

17. Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation in the prescribed form and manner within the time limit set out below. All information needs to be submitted in physical form alongwith a soft copy.

H. Time Limit

18. Any information relating to the present review and any request for hearing should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than forty days (40 Days) from the date of letter of this review notification. If no information is received within the prescribed time limit, or the information received is incomplete, the Designated Authority may record its findings on the basis of the facts available on record in accordance with the Rules.

I. Submission of information on Non-confidential basis:

19. In terms of Rule 6(7), of the Rules the interested parties are required to submit non-confidential summary of any confidential information provided to the Authority and if in the opinion of the party providing such information, such information is not susceptible to summarization, a statement of reason thereof is required to be provided. In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

J. Inspection of Public File

20. In terms of Rules 6(7), any interested party may inspect the public file containing non-confidential versions of the evidence submitted by other interested parties. In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

J.K. DADOO, Designated Authority